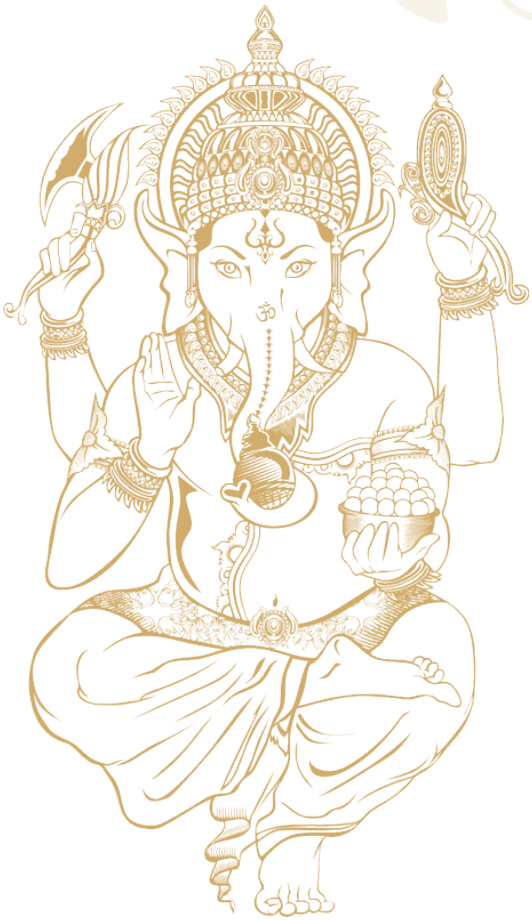

Mr.indra

Ms. Nisha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120337101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120337101 Date: 27/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/09/2008	जन्म तिथि	20/03/2009
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	08:30:00 घंटे
घटी 07:47:46	जन्म समय(घटी)	04:36:33 घटी
India	देश	India
Sojat River	स्थान	Jaitaran
25:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:14:00 उत्तर
73:45:00 पूर्व	रेखांश	74:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:00	स्थानिक संस्कार	-00:34:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:22:53	सूर्योदय	06:38:22
18:33:22	सूर्यास्त	18:45:01
23:58:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:23
तुला	लग्न	मेष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृष	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
कृतिका	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	3
वज्र	योग	वरियान
गर	करण	गर
उ-उदय	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मूषक

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 7मा 5दि		14:27:13	तुला	लग्न	मेष	11:53:16	शुक्र 9वर्ष 0मा 22दि	
मंगल		03:35:02	कन्या	सूर्य	मीन	05:38:56	चन्द्र	
26/04/2020		06:26:51	वृष	चंद्र	धनु	20:37:34	11/04/2024	
27/04/2027		26:37:55	कन्या	मंगल	कुंभ	09:54:56	11/04/2034	
मंगल	22/09/2020	27:58:55	कन्या	बुध	कुंभ	25:18:23	चन्द्र	09/02/2025
राहु	11/10/2021	18:46:47	धनु	गुरु	मक	22:47:02	मंगल	10/09/2025
गुरु	17/09/2022	01:11:02	तुला	शुक्र व	मीन	17:48:56	राहु	12/03/2027
शनि	27/10/2023	19:57:05	सिंह	शनि व	सिंह	23:30:04	गुरु	11/07/2028
बुध	23/10/2024	23:51:25	मक व	राहु	मक	14:01:17	शनि	09/02/2030
केतु	21/03/2025	23:51:25	कर्क व	केतु	कर्क	14:01:17	बुध	12/07/2031
शुक्र	21/05/2026	26:24:37	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	29:01:12	केतु	10/02/2032
सूर्य	26/09/2026	27:58:13	मक व	नेप	कुंभ	01:14:14	शुक्र	11/10/2033
चन्द्र	27/04/2027	04:32:44	धनु	प्लूटो	धनु	09:14:44	सूर्य	11/04/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:58:55 चित्रपक्षीय अयनांश 23:59:23

लग्न-चलित

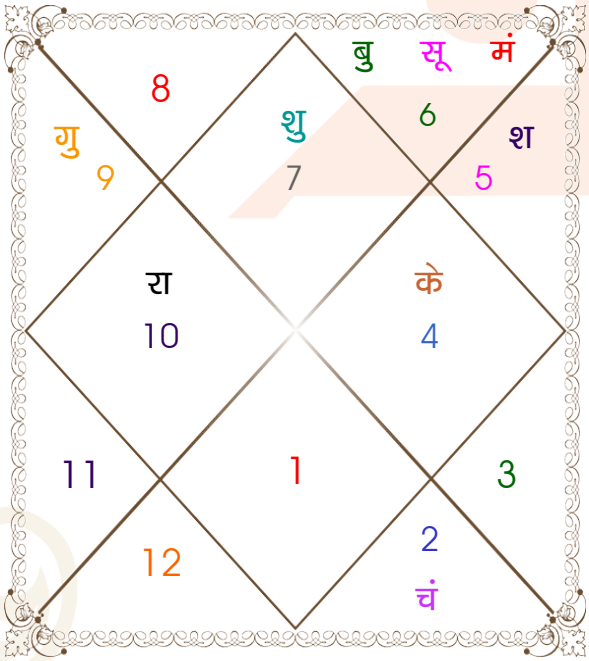

लग्न-चलित

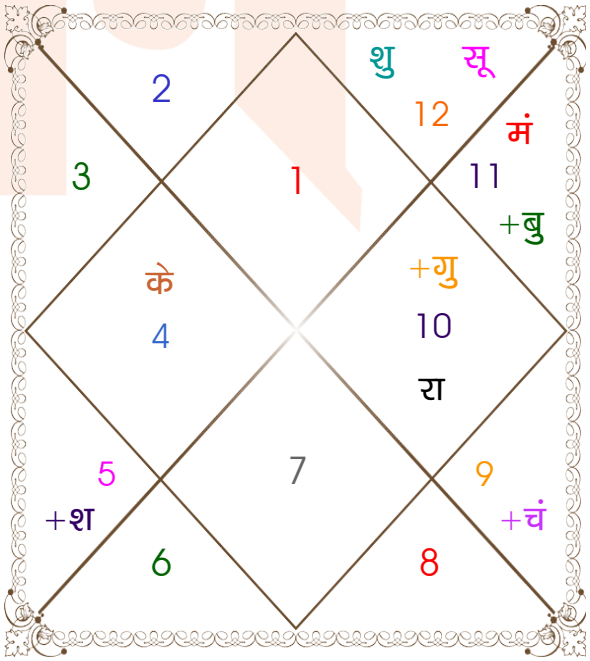

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	वानर	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

कुल : **13.5 / 36**

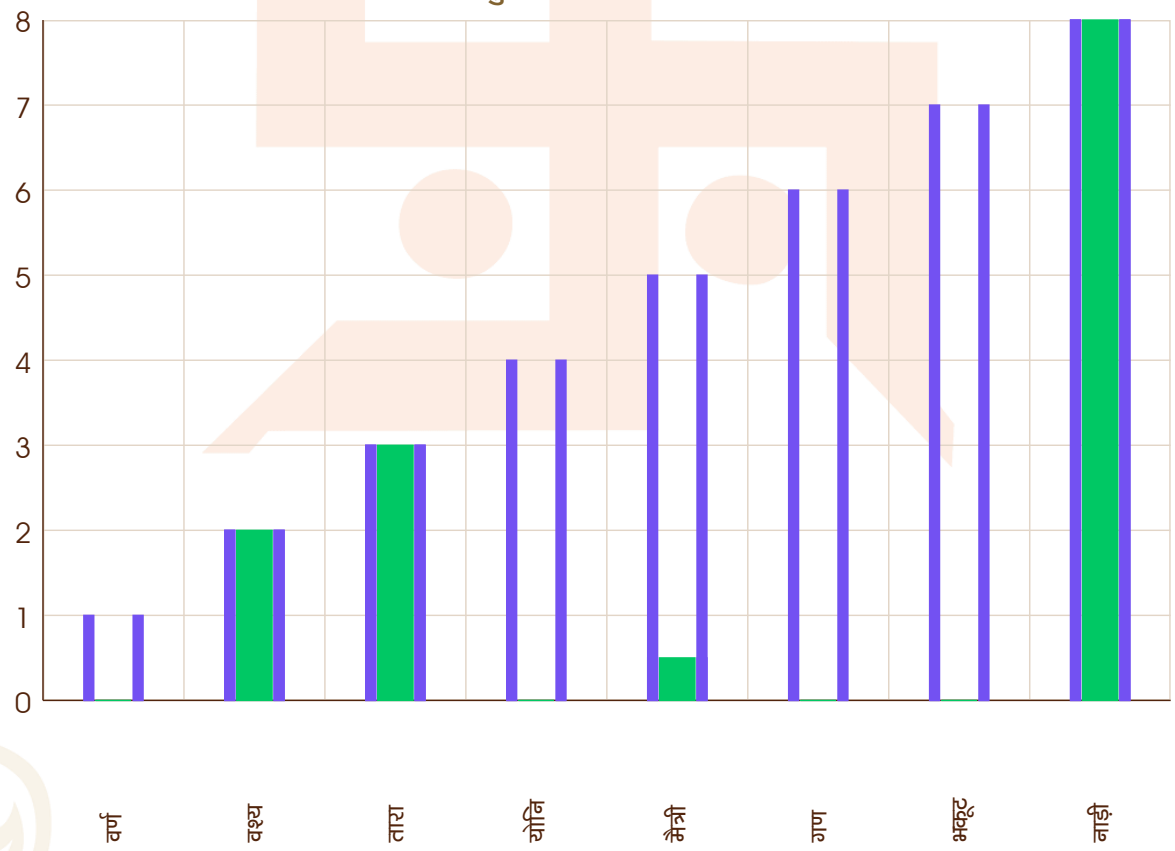

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.indra का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. Nisha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.indra और Ms. Nisha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.indra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.indra कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Nisha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Nisha कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.indra तथा Ms. Nisha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.indra का वर्ण वैश्य है तथा Ms. Nisha का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ms. Nisha का वर्ण Mr.indra के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ms. Nisha अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ms. Nisha को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Mr.indra का वश्य चतुष्पद है एवं Ms. Nisha का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Mr.indra एवं Ms. Nisha दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Mr.indra की तारा सम्पत तथा Ms. Nisha की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr.indra एवं Ms. Nisha दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms. Nisha एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr.indra की योनि मेष है तथा Ms. Nisha की योनि वानर है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.indra का राशि स्वामी Ms. Nisha के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms. Nisha का राशि स्वामी Mr.indra के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.indra का गण राक्षस है तथा Ms. Nisha का गण मनुष्य है। अर्थात Ms. Nisha का गण Mr.indra के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr.indra से Ms. Nisha की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms. Nisha से Mr.indra की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Mr.indra एवं Ms. Nisha दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Mr.indra शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ms. Nisha बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Mr.indra की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. Nisha की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.indra की जन्मराशि पृथ्वीतत्व वृष है तथा Ms. Nisha की अग्नितत्व युक्त राशि धनु है। पृथ्वी तत्व एवं अग्नितत्व का आपस में असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः Mr.indra और Ms. Nisha का मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा परस्पर सवभावगत स्वं अन्य असमानताएं होने के कारण दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी ।

Mr.indra का राशि स्वामी शुक्र तथा Ms. Nisha का राशि स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं रहेगी इससे परस्पर मतभेद एवं विघ्न होंगे तथा अपने अपने अस्तित्व को श्रेष्ठ समझकर आपसी संबंधो में मधुरता की अपेक्षा कटुता का भाव अधिक रहेगा ।

Mr.indra और Ms. Nisha की राशियां परस्पर षडाष्टक पड़ती है जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। यद्यपि Ms. Nisha अनुकुल राह में कदम बढ़ाएंगी लेकिन Mr.indra प्रतिकूलता का काम करके आपस में कटुता एवं मतभेदों में वृद्धि करेंगे। Mr.indra एक अभिमानी पृव्रति के व्यक्ति होगें तथा अपने समक्ष Ms. Nisha को महत्वहीन समझेंगे। Mr.indra के मन में आन्तरिक सघर्ष रहेगा जो Ms. Nisha के उपर के क्रोध रूप में प्रकट होगा फलतः आपसी टकराव रहेगा तथा उनका पारिवारिक जीवन अशांत एवं असन्तुष्ट रहेगा।

Mr.indra और Ms. Nisha दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

Mr.indra का वर्ण वैश्य तथा Ms. Nisha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr.indra धनार्जन सम्बंधी कामों में तत्पर रहेंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सफल करेगे Ms. Nisha की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी होगी तथा ऐसे कामों को करने में प्रवृत रहेगी।

धन

Mr.indra सम्पत तथा Ms. Nisha अतिमित्र तारा में उत्पन्न हुए है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इनका भकूट सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से इनकी स्थिति रहेगी लेकिन मंगल का Mr.indra की आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव होगा जिससे यदा कदा वे आर्थिक विषमता का सामना कर सकते हैं।

Mr.indra भाग्यवान तथा धनाढ्य व्यक्ति होंगे तथा Ms. Nisha के शुभ प्रभाव से

धनऐश्वर्य की अभिवृद्धि करने में सफल होंगे। साथ ही अनायास धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे। लेकिन Mr.indra को अपनी व्ययशील प्रवृति पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.indra की नाड़ी अन्त्य तथा Ms. Nisha की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का Ms. Nisha के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए Ms. Nisha को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.indra और Ms. Nisha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.indra और Ms. Nisha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Nisha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Nisha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Nisha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.indra और Ms. Nisha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.indra और Ms. Nisha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Nisha के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms. Nisha अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms. Nisha पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. Nisha अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr.indra तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Mr.indra तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.indra के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Mr.indra को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Mr.indra समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Mr.indra के प्रति अनुकूल ही रहेगा।